वडनगर: भारत का प्राचीनतम जीवंत शहर

स्रोत: द हिंदू

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (खड़गपुर) तथा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI) के एक संयुक्त अध्ययन किया जिसके अनुसार हड़प्पा के पतन के बाद भी गुजरात स्थित वडनगर में सांस्कृतिक निरंतरता के पुरातात्त्विक प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

- यह अध्ययन हड़प्पा सभ्यता के पतन के बाद भी वडनगर में सांस्कृतिक निरंतरता का पुरातात्त्विक प्रमाण प्रदान करके **"अंधकार युग" की धारणा** को चुनौती देता है।

वडनगर में उत्खनन से संबंधित मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **बस्ती की समयावधि:**
  - अध्ययन से वडनगर में **800 ईसा पूर्व** प्राचीन **मानव बस्ती के साक्ष्य** का पता चलता है।
  - जिसके परिणामस्वरूप इसे **उत्तर-वैदिक/पूर्व-बौद्ध महाजनपद** अथवा कुलीन गणराज्य काल के समय का माना जा रहा है।
- **जलवायु प्रभाव:**
  - 3,000 वर्ष की अवधि में विभिन्न राज्यों के उत्थान तथा पतन के साथ-साथ मध्य एशियाई कारकों द्वारा निरंतर आक्रमण किये गए जिसका कारक **जलवायु में हुए गंभीर परिवर्तनों,** जैसे वर्षा अथवा सूखे की स्थिति में परिवर्तन को माना जाता है।
- **बहुसांस्कृतिक एवं बहुधार्मिक बस्ती:**
  - वडनगर को एक बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक बस्ती के रूप में वर्णित किया गया है जिसमें **बौद्ध**, **हिंदू**, **जैन तथा इस्लामी** प्रभाव शामिल हैं।
  - उत्खनन से **सात सांस्कृतिक चरणों (अवधि) का पता** चला, जिनमें मौर्य, इंडो-ग्रीक, इंडो-सीथियन, हिंदू-सोलंकी, सल्तनत-मुगल एवं गायकवाड़-ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन शामिल हैं, जो आज तक विद्यमान हैं।
- **पुरातात्त्विक कलाकृतियाँ:**
  - खुदाई के दौरान विभिन्न पुरातात्त्विक कलाकृतियों की खोज की गई, जिनमें मिट्टी के बर्तन, ताँबा, सोना, चाँदी और लोहे की वस्तुएँ शामिल थीं।
  - निष्कर्षों में **इंडो-ग्रीक शासन काल की जटिल रूप से डिज़ाइन की गई चूड़ियाँ तथा सिक्कों के साँचे** भी शामिल हैं।
- **बौद्ध विहार:**
  - महत्त्वपूर्ण खोजों में से एक वडनगर में सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक की उपस्थिति है, जो इस **बस्ती की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि** को बढ़ाती है।
- **रेडियोकार्बन तिथियाँ:**
  - अप्रकाशित रेडियोकार्बन तिथियों से पता चलता है कि यह बस्ती 1400 ईसा पूर्व की हो सकती है, जो **अंधयुग की धारणा** को चुनौती देती है।
    - **"अंधयुग"** सिंधु घाटी सभ्यता के पतन और भारतीय इतिहास में लौह युग एवं गांधार, कोशल तथा अवंती जैसे शहरों के उद्भव के बीच की अवधि को संदर्भित करता है।
  - यदि यह सच है, तो इसका तात्पर्य भारत में पिछले **5500 वर्षों से सांस्कृतिक निरंतरता** है।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI):

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) संस्कृति मंत्रालय के तहत **देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन** है।
- इसके कार्यों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज एवं उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करना आदि शामिल हैं।
- यह 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसके अलावा यह **प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के प्रावधानों के अनुसार देश में **सभी पुरातात्त्विक गतिविधियों को विनियमित** करता है। **यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972** को भी नियंत्रित करता है।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी**। अलेक्जेंडर कनिंघम को **"भारतीय पुरातत्त्व के**

जनक" के रूप में भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vadnagar-india-s-oldest-living-city